लापरवाही

शहर के वेटलैंड की बदतर हालत, एनजीटी के आदेश पर मेहरा तालाब का जीर्णोधार कार्य जारी

वेटलैंड संरक्षण में गंभीर नहीं दिख रहे कलेक्टर

पत्राचारों में सिमटा एनजीटी आदेश

नवभारत, बालाघाट। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार राज्य सरकार राज्य के सभी प्राकृतिक संसाधनों की ट्रस्टी है उसी प्रकार से कलेक्टर अपने जिलों में स्थित सभी प्राकृतिक संसाधनों का ट्रस्टी है। लेकिन ऐसा देखा जा रहा है कि बालाघाट के कलेक्टर बालाघाट जिले में स्थित समस्त प्राकृतिक संसाधनों की पर्याप्त रूप से देखरेख करने में सक्षम नजर नहीं आ रहे है। इसी कारण बालाघाट जिले के प्राकृतिक संसाधनों की स्थिति बद से बदतर होते जा रही है।

देखा जाये तो बालाघाट शहर में ही वेटलैंड के रूप में प्राकृतिक संसाधनों के तहत 7 तालाब स्थित है जिसमे मुख्य रूप से मोती तालाब, देवी तालाब, धोबी तालाब, आमा तालाब, सरेखा तालाब, पुलिस लाइन का तालाब, मेहरा तालाब है जिसकी दुर्दशा किसी से छुपी नहीं है। बालाघाट शहर के ये सभी तालाब जिला प्रशासन की अनदेखी के कारण बर्बादी के कगार पर खड़े है। कुछ तालाब तो अपना अस्तित्व खो चुके है और कुछ तालाब प्रदुषण और अतिक्रमण की मार झेल रहे है लेकिन जिला प्रशासन इनके संरक्षण के लिए मात्र कागजी घोड़े दौड़ा रहा है द्य जिला प्रशासन की उदासीनता के कारण इन तालाबो के संरक्षण के लिए आम नागरिकों को स्वयं के खर्चे से इन तालाबों के संरक्षण के लिए एनजीटी समेत विभिन्न न्यायालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे है।

बालाघाट शहर के बूढी वार्ड नंबर 14 में स्थित शासकीय मेहरा तालाब भी जिला प्रशासन की उदासीनता के कारण प्रदुषण और अतिक्रमण का शिकार था जिसकी शिकायत कई बार कलेक्टर बालाघाट के समक्ष प्रस्तुत की गई किन्तु कलेक्टर बालाघाट ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया तभी बालाघाट शहर निवासी जीवनलाल बरबैया के द्वारा वर्ष 2018 में एनजीटी भोपाल में याचिका दायर की जिसके पश्चात् एनजीटी के आदेश शासकीय मेहरा तालाब में अमृत-2 योजना के तहत तालाब के कायाकल्प का कार्य प्रारंभ किया गया जो अभी तक चल रहा है जहाँ इस कार्य में भी ठेकेदार और नगरपालिका परिषद बालाघाट के अधिकारियों की मिलीभगत से भारी भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है और कार्य की गुणवत्ता के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है ।

शासकीय देवी तालाब को अतिक्रमण और प्रदुषण मुक्त करने के लिए एनजीटी भोपाल द्वारा जारी आदेशों का जमीनी स्तर पर पालन न करते हुए कलेक्टर बालाघाट और उनके प्रतिनिधि के रूप में अपर कलेक्टर बालाघाट व अनुविभागीय अधिकारी बालाघाट तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद बालाघाट के बीच मात्र आदेशों का पालन करने के लिए विभागीय पत्राचार किया जा रहा है। एनजीटी भोपाल से आदेश जारी होने के बाद इनके मध्य कई महीनों से विभागीय पत्राचार किया जा रहा है लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं किया जा रहा है जिसे देख यह कहना अतिसंयोक्ति नहीं होगी कि मध्यप्रदेश सरकार के ये अधिकारी कागजों के घोड़े दौडाने में ज्यादा विश्वास रखते है न कि जमीनी स्तर पर कार्य करने में ।

एनजीटी का डर नहीं

वैसे तो एनजीटी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए कई बार विभिन्न याचिकाओं के माध्यम से प्रदेश स्तर पर मुख्य सचिव एवं वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों को आदेश जारी किये जाते है किन्तु आदेशों में दिए गए निर्देशों का पालन जिला स्तर में कलेक्टर समेत अन्य अधिकारियों के द्वारा नहीं किया जाता है और इनके खिलाफ कोई प्रभावी कार्यवाही भी नहीं होती है जिसके कारण इनके द्वारा एनजीटी के आदेशों की लगातार अवमानना की जाती है क्योंकि इनका मानना है कि एनजीटी इनके खिलाफ कोई दण्डात्मक कार्यवाही नहीं कर सकता है । किन्तु एनजीटी के आदेशों का किसी भी अधिकारी के द्वारा पालन नहीं किया जाता है और उनके आदेशों की अवमानना की जाती है तो एनजीटी एक्ट 2010 की धारा 28 एवं 29 के अनुसार जिला न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत कर एनजीटी के आदेशों का पालन कराया जा सकता है और आदेश का पालन नहीं होने पर जिला न्यायालय उन सभी अधिकारियों को नियमानुसार दण्डित कर सकता है।

देवी तालाब में एनजीटी का माखौल

बालाघाट शहर के ह्रदयतल में स्थित शासकीय देवी तालाब जिसका खसरा नंबर 319 रकबा 16.14 एकड़ है वह भी जिला प्रशासन और राजस्व विभाग की मिलीभगत के कारण प्रदुषण और अतिक्रमण का शिकार है । देवी तालाब में तत्कालीन राजस्व अधिकारियों और बालाघाट शहर के भूमाफियाओं ने मिलीभगत देवी तालाब की भूमि का बंदरबाट किया है और लगातार तालाब की बर्बाद कर रहे है । देवी तालाब को बर्बाद करने में नगरपालिका परिषद बालाघाट के अधिकारी भी पीछे नहीं है इसी कारण बालाघाट नगर के नागरिक द्वारका नाथ चौधरी और प्रदीप परांजपे के द्वारा एनजीटी भोपाल में याचिका प्रस्तुत की है जिसमे एनजीटी भोपाल के द्वारा दिनांक 23/09/2025 एवं दिनांक 10/11/2025 को आदेश जारी कर कलेक्टर बालाघाट और मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद बालाघाट को निर्देशित किया है कि एक माह के भीतर देवी तालाब के अतिक्रमण को हटायें और प्रदूषित पानी देवी तालाब में जाने से रोकने की व्यवस्था करे द्य किन्तु कलेक्टर बालाघाट और मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद बालाघाट द्वारा एनजीटी के आदेशों का पालन न करते हुए उनके आदेशों का सरेआम मखौल उड़ा रहे है ।

विधायक अनुभा ने उठाये नक्सलमुक्त होने को लेकर सवाल

कहा, ऐसी कौन-सी जादू की छड़ी है जिसने नक्सल विचारधारा को समाप्त कर दिया

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने मध्यप्रदेश सहित बालाघाट को नक्सल मुक्त घोषित किये जाने को लेकर सवाल उठाते हुये कहा कि ऐसी कौन-सी जादू की छड़ी है जिसने नक्सलवाद को खत्म कर दिया। उन्होने कहा कि नक्सलवाद एक विचारधारा है और यह विचारधारा क्यों आयी सरकार ने इसके संबंध में कोई कार्य नहीं किया। बल्कि देश के गृहमंत्री के नजर में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिये लक्ष्य समय के पूर्व ही जनवरी महीने में नक्सलमुक्त घोषित कर दिया गया। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि वह बंदूक व हिंसा का कतई समर्थन नहीं करती है लेकिन नक्सलवाद के कारण की ओर जाने की जरूरत हैं। बालाघाट जिले के दक्षिण बैहर, बिरसा व परसवाड़ा, लांजी, किरनापुर क्षेत्र में कई मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता हैं। सड़क, बिजली व पानी सहित स्वास्थ्य सेवा नहीं है या फिर उनसे वहां के आदिवासी व बैगा परिवार वंचित हैं। रोजगार के अभाव में वे पलायन कर रहे हैं। इसे सरकार ने दूर नहीं किया हैं। विधायक अनुभा मुंजारे ने प्रदेश के विधानसभा सत्र के दौरान यह बाते रखते हुये कहा कि नक्सलियों का मारने के नाम पर फर्जी मुठभेड़ की गई है। जिसकी जांच होने चाहिए। पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ कर आदिवासियों को मार दिया। जिनके नाम पर पुलिस ने मेडल व पदोन्नति प्राप्त कर ली। लेकिन जिन्हे मारा गया उनको व उनके परिवार को न्याय कहां मिला है? अब इसकी जांच कौन करेगा। सही में जांच हो जाये तो इन मुठभेड़ की हकीकत सामने आ जायेगी। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि जिले में आदिवासीयों व बैगा परिवारों को प्रताड़ित किया जाता हैं। पुलिस का खौफ उन क्षेत्रों में जारी हैं। उनके बीच जाओं तो वे अपनी बातें नहीं रख पाते हैं। ऐसे सीधे लोग है जहां पर पुलिस की मनमानी चल रही हैं। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि प्रदेश की मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की सरकार ने अपनी वाहवाही बटोरने के लिये ही नक्सल मुक्त करने की घोषणा की हैं। सरकार इतनी ही गंभीर है तो वह यहां पर हुई मुठभेड़ की निष्पक्ष जांच कराये। जिन आदिवासियों को मार दिया गया था मुठभेड़ के नाम पर उसकी जांच कराये और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करें तब तो समझा जायेगा कि सही में सरकार आदिवासियों के हितैषी हैं।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में गणित विषय पर एआई के उपयोग पर व्याख्यान

बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार मासुलकर के मार्गदर्शन में गणित विभाग द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय गणित में कंप्यूटर साइंस तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रयोग एवं महत्व रहा।

व्याख्यान के मुख्य वक्ता साईं कंप्यूटर सेंटर, बालाघाट से श्री अमन कौशल रहे। उन्होंने एआई की मूल अवधारणा, उसके कार्य करने की प्रक्रिया तथा गणितीय समीकरणों को हल करने में उसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एआई एल्गोरिद्म के माध्यम से गणित के असाइनमेंट तैयार करना, परीक्षाओं का स्वत: मूल्यांकन करना तथा जटिल समस्याओं का सरल समाधान संभव हो रहा है।

श्री कौशल ने बीजगणित, कलन और सांख्यिकी से संबंधित कठिन समीकरणों को एआई टूल्स की सहायता से हल करने की प्रक्रिया समझाई। साथ ही डेटा प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग तथा आधुनिक टूल्स जैसे नोटबुक एलएम के उपयोग की जानकारी भी दी। व्याख्यान के दौरान छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

किसानों को 5 रुपये में मिलेगा पांच हॉर्स पॉवर का स्थाई कृषि विद्युत कनेक्शन

बालाघाट। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी किसानों को पाँच हॉर्स पॉवर तक के ऑनलाइन स्थाई कृषि विद्युत कनेक्शन ढाई हजार रुपये के स्थान पर मात्र पाँच रुपये में रुपये में देगी। पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को पाँच हॉर्स पॉवर तक स्थाई कृषि संयोजन के लिये आवेदन शुल्क को मात्र 5 रुपये निर्धारित किया है। यह सुविधा उन मामलों में दी जाएगी, जहां विद्युत लाइन विस्तार की आवश्यकता नहीं होगी। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता श्री अमित कुमार ने बताया कि मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने इस संबंध में सर्कुलर जारी कर दिया है। अब तक प्रचलित व्यवस्था में किसानों से ऑनलाइन आवेदन के लिए 2 हजार 500 रुपये पंजीयन शुल्क एवं सुरक्षा निधि जमा कराई जा रही थी। नवीन निर्णय के अंतर्गत किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह तय किया गया है कि उपभोक्ता द्वारा स्थापित सर्विस लाइन की सुरक्षा नियमों की जांच के उपरांत मात्र 5 रुपये शुल्क में आवेदन स्वीकार किया जाएगा, जबकि शेष सुरक्षा निधि की राशि प्रथम विद्युत बिल में समायोजित की जाएगी।

यूजीसी कानून के विरोध में सकल समाज ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत, बालाघाट। विगत दिनाँक 16 फरवरी को, अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद इकाई बालाघाट द्वारा ज़िलाध्यक्ष पंडित विकास हजारी कि अध्यक्षता मे यूजीसी काला कानून का विरोध करते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय मे पदस्थ डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कुमार कौर्व सर को भारत सरकार के प्रस्तुत गजट यूजीसी के नए नियम के विरोध पर सकल सामान्य समाज मे रोष कि वजह बताते हुए महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौपा गया ।

साथ ही भविष्य मे सकल सामान्य समाज के प्रति सरकार के इस दोहरेपनती रवैये पर उग्र आंदोलन कि चेतावनी दी । कार्यक्रम मे अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद जिला अध्यक्ष पंडित विकास हजारी के साथ विंध्यप्रांत सचिव पंडित रविशंकर दुबे, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष एवं संभाग अध्यक्ष श्रीमती सरला दुबे, श्रीमती मंजू लता तिवारी, श्रीमती उषा मिश्रा, श्रीमती शांता तिवारी , पंडित ब्रजेश मिश्रा, ब्रजेश हजारी , ललित दुबे, धनेन्द्र तिवारी उर्फ़ बड़ा भाऊ , ओम प्रसाद मिश्रा , आकाश मिश्रा आशीष शुक्ला , शशांक मिश्रा सहित अन्य सदस्य गण उपस्थित हुए।

कर्मचारियों ने जाना पैक्स कम्प्यूटराईजेशन के महत्व

सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन

नवभारत, बालाघाट। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में 16 फरवरी को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट सभाकक्ष में सहकारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में 131 बी पैक्स समितियों के कर्मचारियों ने कम्प्यूटराईजेशन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। आयोजन में प्रमुख रूप से राजेश उइके उपायुक्त सहकारिता बालाघाट, अभिनवसिंह बघेल मुख्य कार्यपालन अधिकारी जेएसके बैंक बालाघाट, पी.जोशी प्रबंधक लेखा उपस्थित रहे। प्रशिक्षण रौनक चैकसे और रोहित ढोढ़रे द्वारा दिया गया। उन्होने बताया कि पैक्स कम्प्यूराईजेशन योजना अंतर्गत ईआरपी माड्यूल में आने वाली समस्या, यूटिलिटी पोर्टल में जोड़े गए ब्याज अनुदान बनोन के नय विकल्प एवं प्रक्रिया तथा केआरपी पोर्टल में आने वाली समस्यों के संबंध में जानकारी से अवगत कराया गया। इस दौरान समिति कर्मचारियों ने कार्य के दौरान आ रही परेशानियों को बताया जिस पर प्रशिक्षणकर्ताओं ने समस्याओं का निदान कैसे किया जाए इस पर जानकारी दी। दो पाली में हुये इस प्रशिक्षण में मुख्य शाखा बालाघाट, किरनापुर, वारासिवनी, डोंगरमाली, खमरिया, लालबर्रा, रामपालयी, खैरलांजी, लामता, परसवाड़ा, बैहर, बिरसा, साडरा, तिरोड़ी, कटंगी, भानेगांव, लांजी के संस्था प्रबंधक और डाटा ऑपरेटर उपस्थित रहे।

सरकार दे रही ग्राम विकास के समस्त कार्यों को प्राथमिकता

नवभारत, वारासिवनी। राज्य वित्त आयोग योजना के अंतर्गत लागत 25 लाख से बनने वाले भव्य सामुदायिक भवन के भूमीपूजन कार्यक्रम मे पहुचकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कार्यस्थल कौन सा श्रेष्ठ होना चाहिये जैसे सवाल का समाधान भी कर दिया। इस दौरान ग्रामीण जनप्रतिनिधीगण भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर गुडडा भैया ने कहा की प्राय लोग पूछते है की एक वोट से क्या होता है? हम बताते है की आपके एक वोट के कारण ही आज हमारी प्रदेश सरकार क्रमश सभी पंचायतो को सामुदायिक भवन व ग्राम पंचायत भवन की सौगात दे रही है। आप लोग किसी के भी, किसी भी प्रकार के बहकावे मे नही आये। अभी सामुदायिक भवन की सौगात मिली है। जल्द इसी पंचायत के 20 साल पुराने भवन के बदले नया भव्य बनते भी आप जरूर देखेगे।

सामुदायिक भवन के स्थल के विषय मे ग्राम के ही प्रबुद्वजनो के प्रथक प्रथक विचार को भापते हुये गुडडा भैया ने सार्वजनिक तौर पर कहा की हमे खेल मैदान को सिर्फ खेल के लिये ही सुरक्षित रखना है। वारासिवनी के तीन खेल मैदानो को हमने आज भी सुरक्षित रखकर युवाओ के भविष्य से समझौता नही किया है। साथ ही सामुदायिक भवन बनाने वाले स्थल मे उसकी पार्किग सहित सामने का एक बडा परिसर भी अवश्य होना चाहिये।

कार्यक्रम मे गुनीराम बघेले जप अध्यक्ष प्रतिनिधी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुनिता मानसिंह बहेटवार, जिला पंचायत सदस्य प्रकाश उके, ,घनश्याम राउत सरपंच सालेटेका ने भी ग्रामीणो को संबोधित कर विकास कार्यो मे गुडडा भैया के सदैव मिलते सहयोग को बताकर प्रदेश सरकार की महत्तवपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओ का प्रचार कर ग्रामीणो से अधिक से अधिक संख्या मे लाभ लेने की अपील भी की।

प्रसन्नता और उत्साह के वातावरण मे इस समय गुडडा भैया के साथ जप अध्यक्ष प्रतिनिधी गुनीराम बघेले, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुनिता मानसिंह बहेटवार, विनोद लिल्हारे, प्रकाश उके जिला पंचायत सदस्य, नत्थुलाल अग्रवाल, मगनलाल राउत, लिलेश चौधरी, घनश्याम पटले, मानसिंह बहेटवार,नरेन्द्र साहु,घनश्याम राउत सरपंच सालेटेका आदि साथ भी रहे।

ग्राम राशिमेटा-झकोरदा सड़क बनेगी विकास की नई राह

नवभारत, बालाघाट। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत ग्रामीण यांत्रिकी सेवा बालाघाट द्वारा बिरसा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम राशिमेटा से झकोरदा तक 4.10 किलोमीटर लंबाई की बी.टी. सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है। विशेष केंद्रीय सहायता योजना अंतर्गत 3.40 करोड़ रुपए की स्वीकृत राशि से निर्मित हो रही यह सड़क क्षेत्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

उल्?लेखनीय है कि ग्राम राशिमेटा एवं झकोरदा सहित आसपास के ग्रामीण लंबे समय से आवागमन की कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। कच्चे एवं जर्जर मार्ग के कारण बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती थी। किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुँचाने में परेशानी होती थी, वहीं विद्यार्थियों एवं मरीजों को भी नियमित आवागमन में बाधाओं का सामना करना पड़ता था। किंतु अब निर्माणाधीन बी.टी. सड़क के पूर्ण होने से क्षेत्र के अनेक गांवों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क सुविधा से ग्रामीणों का आवागमन सुगम होगा, परिवहन लागत में कमी आएगी तथा कृषि उत्पादों को समय पर बाजार तक पहुँचाया जा सकेगा। साथ ही शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं तक त्वरित पहुँच सुनिश्चित होगी।

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों की नियमित निगरानी में कार्य सतत प्रगति पर है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने भी इस परियोजना को क्षेत्र के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। यह सड़क केवल दो गांवों को जोड़ने का कार्य नहीं करेगी, बल्कि क्षेत्र की सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति का आधार बनेगी। ग्राम राशिमेटा से झकोरदा तक बन रही यह सड़क आने वाले समय में ग्रामीणों के जीवन स्तर को नई दिशा प्रदान करेगी।

गैंगस्टर फरार, गुर्गा चढ़ा क्राइम ब्रांच के हत्थे

एसपी बंगले के पास चलाई थी गोलियां

नवभारत, जबलपुर। सिविल लाइन स्थित रोटरी क्लब के पास पुलिस अधीक्षक बंगले के पास 12 फरवरी को शादी समारोह के दौरान गोलियां चलाने वाला गैंगस्टर पुलिस गिरफ्त से दूर है जबकि उसके एक गुर्गे को क्राइम ब्रांच ने दबोच लिया है। इसके साथ ही फरार अन्य आरोपियों की सरगर्मी से तलाश चल रही है।

जानकारी के मुताबिक शिवनगर मदनमहल निवासी प्रॉपर्टी डीलर दुर्गेश पांडे (30) अपने साथियों हर्ष यादव और श्रीकांत राय के साथ 12 फरवरी को दोस्त गोलू सोंधिया की शादी में शामिल होने रोटरी क्लब पहुंचा था समीप ही पुलिस अधीक्षक का बंगला था। रात करीब 11:30 बजे जब वे खाना खाकर बाहर निकल रहे था तो गेट के पास दो एक्सिस गाड़ियों पर मुक्कू पटेल, देवू पटेल, लकी पटेल और गुल्ली उर्फ अभिषेक गोस्वामी पहुंचे थे और पुरानी रंजिश के चलते लकी और अभिषेक ने जान से मारने की नियत से पिस्तौल से अंधाधुंध फायरिंग चलाई थी। जिसमें प्रॉपर्टी डीलर दुर्गेश समेत उसके साथी श्रीकांत को चोटें आ गई थी। दुर्गेश पांडे की शिकायत पर आरोपी मुक्कू पटेल, देवू पटेल, लकी पटेल, अभिषेक गोस्वामी और अन्य दो साथियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। सूत्रों के मुताबिक लकी पटेल कुख्यात बदमाश है।

जनसुनवाई 19 को होगी

नवभारत,जबलपुर। प्रत्येक मंगलवार को जिले में होने वाली जनसुनवाई अब 19 फरवरी को आयोजित होगी। जनसुनवाई शाखा के प्रभारी अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक मंगलवार को सभी अनुभाग एवं तहसीलों पर जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है, लेकिन जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार 17 फरवरी को होने के कारण अनुभाग एवं तहसीलों में होने वाली जनसुनवाई मंगलवार के स्थान पर गुरुवार 19 फरवरी को नियत समय पर आयोजित की जाएगी।

जिले की मिट्टी का होगा परीक्षण, चलित वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवभारत, बालाघाट। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में चलित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला वाहन के माध्यम से जिले के विभिन्न स्थानों में पहुंचकर मिट्टी का सेंपल लेकर परीक्षण किया जावेगा। जिसको लेकर 17 फरवरी को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट मुख्यालय से अभिनवसिंह बघेल बैंक सीईओ, पी.जोशी प्रबंधक लेखा, वैदिक अगाल इफको मैनेजर द्वारा हरी झंडी दिखाकर चलित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला वाहन को रवाना किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए श्री अगाल ने बताया कि चलित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला वाहन 17 एवं 18 फरवरी को कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव में रखा जावेगा। क्षेत्र के किसानों से अपील की गई है कि अपने खेतो की मिट्टी लाकर चलित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से भूमि की मिट्टी का नि:शुल्क परीक्षण करवा सकते है। इस अवसर पर श्री बघेल ने बताया कि किसानों के लिए नवाचार के माध्यम से मिट्टी का परीक्षण करवाया जा रहा है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट की चलित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला वाहन शाखाओं में 19 फरवरी से 28 फरवरी तक रहेगी जहां किसान अपनी मिट्टी का परीक्षण करवा सकते है।

श्री बघेल ने मिट्टी परीक्षण के मुख्य उद्देश्य के संबंध में बताया कि मिट्टी की उपजाउ क्षमता बढ़ाना, सही मात्रा में खाद और अम्लीय व झारीय मिट्टी को सुधारना है। किसानों को सलाह दी गई है कि खेत को कई हिस्सों में बाटे, 15 से 20 जगहो में वी आकार 15 सेमी गहरा गड्ढा खोदकर उसकी दिवारो से मिट्टी ले तथा ली गई मिट्टी को छाया में सुखाए और लगभग 500 ग्राम मिट्टी का एक नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला लेकर आये। उन्होने बताया कि यह अनावश्यक खाद के उपयोग से होने वाली लागत और पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में सहायक होती है।